



BRIEF CONTENTS

1. Bhagavad Gita: A Spiritual Approach to Management - DR. Ashok Kumar Srivastava, Ballia (U.P.)	01-07
2. Female Detectives in Bengali Fiction: Special Focus on Detective Krishna, Detective Gargi and Detective Mitin - Paramita Chatterjee Dhanbad (Jharkhand)	08-10
3. Domestic Violence in India: A critical analysis of the Protection of Women from Domestic Violence Act 2005 - DR. Arun Kumar Tiwari, 2. Mr. Chaman Khanna, Nichlaul (U.P.)	11-16
4. The Strategic Architects of the Revolt of 1857: An Analysis of the Historical Role of Azimullah Khan and Rangoji Bapu - DR. Shailendra Srivastava, Darbhanga (Bihar)	17-24
5. Regionalism : Types, Causes and Suggestive Measures - DR. Md. Ali Hussain, Gaya jee (Bihar)	25-28
6. Marginalization and Development of De-notified and Nomadic Tribes in India: A Study with Special Reference to Uttar Pradesh - Pratibha Raj, Lucknow (U.P.)	29-39
7. The Use of Technology and Social Life of Elderly People - DR. Anil Kumar, Ballia (U.P.)	40-45
8. Negotiation as an Effective Dispute Resolution Mechanism: its Importance and Prospects for Settlement - Krishna Veer Yadav, Agra (U.P.)	46-50
9. Swami Vivekananda's Practical Vedanta and Its Relevance to the Challenges of Modern Life - Abhay Mishra, Kanpur (U.P.)	51-54
10. Good Governance in the Age of Digital India: Evaluating Digital Public Infrastructure (DPI) and Citizen-Centric Service Delivery - Vinit kumar, Delhi	55-58
11. Educational Exclusion and Learning Inequalities among Nomadic and De-notified Tribes in Uttar Pradesh: A Meta-Analytical Review of Evidence and Policy Implications - Katyayini bhardwaj, 2. DR. Ranjeet Verma, Gajraula (U.P.)	59-67
12. ONE NATION, ONE ELECTION: A CRITICAL ANALYSIS - DR. Ranbir Singh, Agra (U.P.)	68-72
13. Comparative Analysis of Liver Function Tests in Control and Trigonella foenum-graecum-Treated Groups of Albino Rats - Deeksha Singh, 2. Anand Pratap Singh, Agra (U.P.)	73-84
14. ARTICLE 44 IMPLEMENTATION IS THE NEED OF INDIA - DR. Ranbir Singh, Agra (U.P.)	85-87
15. Environmental Assessment of Light Pollution in Varanasi District, Uttar Pradesh, Using Night-Time Satellite Data - Deepali Chourasia, Mau (U.P.)	88-91
16. स्वामी विवेकानन्द के शिक्षा सम्बन्धी विचार - डॉ० सुनील कुमार मिश्र, मुजफ्फरपुर (बिहार)	92-94
17. भारत में घटती जन्म दर कारण, प्रभाव व समाधान - डॉ० चन्द्रशेखर, आगरा (उ०प्र०)	95-97
18. तेजेंद्र शर्मा के प्रवासी कथा साहित्य में उपस्थित वैश्विक समस्याएं - प्रोफेसर विजय कुमार प्रधान, 2. वंदना, टोंक (राजस्थान)	98-100
19. महिलाएँ एवं कानून - डॉ० कविता कुमारी, जहानाबाद (बिहार)	101-103
20. भारत में विभिन्न वर्ग एवं सामाजिक गतिशीलता - डॉ० धनंजय कुमार, नालन्दा (बिहार)	104-106
21. बिहार में बापू के रचनात्मक कार्यों में प्रभावती देवी की सहभागिता - डॉ० सत्यनारायण प्रसाद, नालन्दा (बिहार)	107-109
22. सांस्कृतिक पुनर्जागरण में स्वामी दयानन्द सरस्वती का अवदान : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन - रजनीश सिंह, 2. डॉ० बेद प्रकाश शुक्ला, कानपुर नगर (उ०प्र०)	110-112



23. माल्थस का जनसंख्या सिद्धान्त — डॉ० अशोक कुमार, गयाजी (बिहार)	113-118
24. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत-नेपाल के बीच राजनीतिक संबंध का विश्लेषण (2014-25) — सचिन कुमार पाण्डेय, अमरकंटक (मध्य प्रदेश)	119-122
25. पश्चिमी देशों के रक्षा क्षेत्रों में तनाव से वैश्विक आर्थिक संकट: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन — डॉ० विशाल कुमार श्रीवास्तव, कानपुर (उ०प्र०)	123-125
26. पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी — डॉ० अमित कुमार रंजन, मधुबनी (बिहार)	126-129
27. बिहार में गाँधीजी के रचनात्मक कार्यक्रम एवं उसके उद्देश्य — डॉ० प्रमोद कुमार, गयाजी (बिहार)	130-134
28. वर्णाश्रम व्यवस्था : उद्देश्य एवं प्रासंगिकता — रविन्द्र प्रताप सिंह, मीरजापुर (उ०प्र०)	135-137
29. राष्ट्रीय आंदोलन में बिहार की महिलाओं का योगदान — डॉ० मो० क्यूम, शेखपुरा (बिहार)	138-140
30. सती विरोधी आंदोलन 1987-1988 — डॉ० लक्ष्मी कुमारी, पटना (बिहार)	141-145
31. भारत की आजादी में महारानी लक्ष्मीबाई के साथ अन्य महिलाओं का योगदान — प्रज्ञा सिंह, 2. डॉ० कमलेश तिवारी, वाराणसी (उ०प्र०)	146-147
32. जनपद बदायूँ के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचलित भगत प्रथा के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन — कृष्ण वीर सिंह, 2. प्रो० पूनम सक्सेना, बरेली (उ०प्र०)	148-149
33. मुण्डा जनजाति की आर्थिक संरचना : ऐतिहासिक पृष्ठभूमि — डॉ० सत्येन्द्र सिंह, जहानाबाद (बिहार)	150-152
34. एक कस्बे की श्रमिक महिलाओं का पारिवारिक जीवन — डॉ० गीता कुमारी, औरंगाबाद (बिहार)	153-155
35. समाज में धर्म के नाम पर अधविश्वास का बढ़ावा और नैतिकता का संकट — डॉ० अर्चना श्रीवास्तव, 2. डॉ० राजीव कुमार श्रीवास्तव, बलिया (उ०प्र०)	156-157
36. भारत में जैव-ऊर्जा की संभावनाएँ : एक भौगोलिक विश्लेषण — डॉ० चन्द्रशेखर, आगरा (उ०प्र०)	158-160
37. नाट्य मंचन में रंग-संरचना का महत्व — पल्लवी देवी, जम्मू (जम्मू & काश्मीर)	161-162
38. परम्परागत बाज़ार से ऑनलाइन शॉपिंग तक भारतीय परिवार की जीवनशैली में सामाजिक परिवर्तन — प्रोफेसर सुभी धुसिया, गोरखपुर (उ.प्र.)	163-164
39. वैयक्तिक सेवा कायय में व्यवहार-परिवर्तन हेतु संगीत चिकित्सा: भारतीय परिप्रेक्ष्य में एक समीक्षात्मक अध्ययन — मनीष कुमार, 2. डॉ० ज्योति विश्वकर्मा, चित्रकूट (उ०प्र०)	165-167
40. उच्च शिक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थियों के शैक्षणिक आकांक्षा पर उनके पारिवारिक वातावरण का प्रभाव (मीरजापुर जनपद के चुनार तहसील में स्थित स्वावितपोषित विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों पर आधारित (एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण) — सतीश चन्द्र वर्मा, मीरजापुर (उ०प्र०)	168-171
41. जलवायु परिवर्तन एवं वंचित वर्ग (दिव्यांग जनों के विशेष संदर्भ में एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण) — रविन्द्र सिंह, चित्रकूट (उ०प्र०)	172-177
42. Hydrological Bankruptcy in India : An Integrated Approach to Ecological Restoration, Pond Rejuvenation, Rainwater Harvesting, Landscape Planning, and Sustainable Water Management — Ar. Rajesh Kumar, 2.Co. Ar. Piyush Prakash, 3.Co. Ar. Prashant Kumar, Agra (U.P.)	178-186
43. CORPORATE GOVERNANCE IN THE ERA OF DIGITAL BANKING: CHALLENGES AND OPPORTUNITIES — Swarnim Singh, 2. DR. Bheem Sen Yadav, Agra (U.P.)	187-194
44. भारतीय समाज और ज्ञानोदय — डॉ० रामाश्रय यादव, आजमगढ़ (उ०प्र०)	195-197
45. नया भारत और पुराने कानून की सामाजिक चुनौतियाँ — डॉ० रामाश्रय यादव, आजमगढ़ (उ०प्र०)	198-200
46. ग्रामीण समुदाय के विकास में स्वयं सहायता समूहों का योगदान: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन — ज्योतिमा सोनी, लखनऊ (उ०प्र०)	201-203
47. सिकन्दरपुर तहसील (जनपद बलिया) में कृषि आधारित उद्योगों का विकास : एक भौगोलिक अध्ययन — डॉ० राम जी राय, बलिया, (उ०प्र०)	204-208



-
- | | |
|---|---------|
| 48. भारतीय ज्ञान पराम्परा में विभिन्न नास्तिक दर्शन
— डॉ० सुजय श्रीवास्तव, फैजाबाद (उ०प्र०) | 209-210 |
| 49. डिजिटल पूंजीवाद और समकालीन हिन्दी साहित्य: बाजार तकनीक और सृजनात्मकता का आलोचनात्मक अध्ययन
— प्रियांशा त्रिपाठी, उन्नाव (उ०प्र०) | 211-215 |
| 50. वीर सावरकर का हिन्दुत्व दर्शन
— डॉ० बृजेश कुमार रजक, अम्बेडकरनगर (उ०प्र०) | 216-217 |